हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 205 देहरादून, शनिवार, 4 फरवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सीएम धामी ने पूर्व मंत्री मोहन सिंह गांववासी की कुशलक्षेम जानी

3

मानसखण्ड को प्रथम स्थान मिलना गर्व का विषय : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 फ़रवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में इस वर्ष गणतन्त्र दिवस परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने एनसीसी कैडेट्स व आरडीसी दल को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री धामी ने कैडेट् अंजलि नेगी, कैडेट् प्रिया पाण्डेय, कैडेट् आरती सिंह (घुड़सवारी में कांस्य पदक), कैडेट् यश पाण्डेय (बैण्ड मास्टर), कैड़ेट मनोज सिंह बिष्ट (घुड़सवारी में कांस्य पदक), शिविर के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये फलाईग कैड़ेट अविनाश, कैडेट मंयक काला, कैडेट् गिरीश जोशी, कैडेट् तन्वी, कैड़ेट अदिति कौशिक और कैड़ेट प्रियंका पनेरू को सम्मानित किया। एनसीसी कैड़ेटस को गणतंत्र दिवस पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हमारे एनसीसी कैड़ेटस के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ ही इस वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर उत्तराखण्ड की झांकी मानसखण्ड को प्रथम स्थान मिलना प्रत्येक उत्तराखण्डवासी के लिये गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि एनसीसी जैसे गौरवशाली संगठन से जुड़ना प्रत्येक युवा के लिए गर्व का विषय है। एनसीसी संगठन से ज्यादा एक मिशन है, जिसका उद्देश्य देश की युवाशक्ति में अनुशासन, दृढ़ निश्चय और राष्ट्र के प्रति निष्ठा की भावना को मजबूत करना है। देश के किसी भी हिस्से में जब भी कभी कोई संकट या आपदा आई, एनसीसी के कैडेट्स ने हमेशा पूर्ण समर्पण भाव के साथ अपने दायित्व का निर्वहन किया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह गर्व की बात है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोनों ही दक्ष एनसीसी कैडेट्स रहे हैं। एनसीसी वो नर्सरी है, जहां भविष्य के वीर सैनिक तैयार होते हैं, इसलिए वर्तमान में एनसीसी के विस्तार और आधुनिकीकरण पर मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में केंद्र सरकार की ओर से विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी की योजना है कि आने वाले समय में 1 लाख नए कैडेट्स तैयार किए जाएं, जिनमें से करीब एक तिहाई महिलाएं होंगी। सरकार की योजना सीमावर्ती इलाकों में एनसीसी के कार्यक्षेत्र को और अधिक बढ़ाने की भी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह उनके लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि विद्यार्थी जीवन के दौरान वह भी एनसीसी का कैड़ेट रहे हैं। एनसीसी के माध्यम से जिस अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठता और राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव को उन्होंने अंगीकार किया वह आज प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में कार्य करते हुए उनके सबसे अधिक काम आ रहा है। उन्होने कहा कि आज विश्व में हमारे देश की पहचान एक युवा देश के रूप में होती है, देश ही नहीं बल्कि हमारा प्रदेश भी एक युवा प्रदेश है। देश में आज युवा सोच है और देश का युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। जिस देश के युवाओं में अनुशासन हो, दृढ़ इच्छाशक्ति हो, निष्ठा हो और लगन हो, उस देश का तेज गति से विकास कोई नहीं रोक सकता। युवाओं को स्वयं में लीडरशीप का विकास करना होगा। युवा जिस भी क्षेत्र में जाए, वहां नेतृत्व करें। प्रधानमंत्री जी "सबका साथ" लेकर, "सबका विकास" करते हुए, "सबका विश्वास" हासिल कर रहे हैं, अब यह हम "सबका प्रयास" होना चाहिए कि हम इस भावना को देश के प्रत्येक युवा तक पहुंचा सके।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भारत को विश्व के जी-20, की अध्यक्षता मिलना अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर देश के सामर्थ्य का परिचय देता है। कोरोना काल में जहां दुनिया की अर्थव्यवस्था अव्यवस्थित रही वही भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की रूप में उभरी। प्रधानमंत्री जी के आह्वाहन पर पूरे विश्व में योग को मान्यता मिली। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीयों का आत्मविश्वास बढ़ा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की धर्मपत्नी गीता धामी, एडीजी उत्तराखण्ड एनसीसी निदेशालय मेजर जरनल पी.एस.दहिया, कंटीजेंट कमांडर आरडीसी 2023 लेफ़्टिनेंट कर्नल दीपेन्द्र सिंह समेत एनसीसी के अधिकारी-कर्मचारी एवं कैडेट्स मौजूद रहे।

रद्द हो सकती है एई और जेई भर्ती, सीएम धामी बोले- गड़बडी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 फ़रवरी। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की एई और जेई भर्ती परीक्षा भी रद्द हो सकती है। हालांकि अभी तक आयोग ने कोई फैसला नहीं लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर एसआईटी जांच के बाद एई व जेई भर्ती परीक्षा का पेपर लीक मामले में नौ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

लोक सेवा आयोग ने पिछले साल अप्रैल-मई 2022 में एई व जेई पदों की लिखित परीक्षा आयोजित कराई थी। आयोग की भर्ती परीक्षा में प्रारंभिक परीक्षा के बाद मुख्य परीक्षा कराई जाती है, लेकिन एई व जेई भर्ती में मुख्य परीक्षा ही आयोजित कराई गई थी। इसके बाद आयोग ने परीक्षा परिणाम घोषित किया। जेई पदों के लिए मेरिट में आए कुछ अभ्यर्थियों का साक्षात्कार भी हो चुका है।आयोग की पटवारी लेखपाल भर्ती परीक्षा का पेपर लीक मामले का खुलासा होने से एई व जेई भर्तियों पर सवाल खड़े

हो गए थे। पटवारी भर्ती में आयोग का अनुभाग अधिकारी संजीव चतुर्वेदी ही पेपर लीक करने में मुख्य भूमिका रही। इससे एई व जेई भर्ती परीक्षा में पेपर लीक को लेकर सवाल उठे। आयोग ने एसएसपी हरिद्वार को मामले की जांच सौंपी। एसआईटी जांच के बाद नौ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गड़बड़ी करने वालों को कतई बख्शा नहीं जाएगा। जल्द ही देश का सबसे बड़ा नकल विरोधी कानून लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पूरे सिस्टम को सुधारने के लिए कृतसंकल्प है। भर्तियों में गड़बड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। लोक सेवा आयोग की एई व जेई परीक्षाओं में शिकायतें मिलने पर जांच के आदेश दिए गए थे। मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। इनमें जो भी संलिप्त पाया जाएगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पहले भी विभिन्न भर्तियों में गड़बड़ी करने वालों को जेल भेजा गया है।

ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है कि पूरे पारदर्शी और साफ सुथरे तरीके से भर्ती परीक्षाएं हो। भर्ती कैलेंडर जारी कर उसके अनुरूप परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। जल्द ही देश का सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून लाया जा रहा है। प्रदेश के युवाओं के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

राज्यपाल ने किया दो दिवसीय 'दून स्वच्छता चौपाल' का शुभारंभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 फ़रवरी। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने शुक्रवार को महिंद्रा ग्राउंड में देहरादून छावनी परिषद द्वारा आयोजित दो दिवसीय ₹दून स्वच्छता चौपाल₹ का शुभारंभ किया। इस दौरान राज्यपाल ने विभिन्न स्टॉल्स का निरीक्षण कर आधुनिक तकनीक से बने कूड़ा निस्तारण उपकरणों व प्लास्टिक वेस्ट से बने उत्पादों की जानकारी ली।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में लगे स्टॉल्स की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न संस्थानों और सामाजिक संगठनों द्वारा वेस्ट मटेरियल को बेस्ट मटेरियल के रूप में परिवर्तित कर उसको उपयोगी बनाया है, जो कि सराहनीय है। उन्होंने छावनी परिषद को इस आयोजन हेतु बधाई देते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि प्लास्टिक और वेस्ट मटेरियल पर गंभीरता से विचार किया जाए व अपने आसपास इसके प्रति जन- जागरूकता फैलाई जाए। राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2014 से देश में स्वच्छता को लेकर एक नई क्रांति की शुरुआत हुई है, जिसे प्रधानमंत्री जी द्वारा 'स्वच्छ भारत मिशन' के रूप में आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव की शुरुआत है और आने वाले समय में यह बदलाव की लहर बहुत दूर तक जाएगी।

ऐप पर लग रही है इंसानों की बोली घरेलू नौकर, महिला सब बिकाऊ !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फ़रवरी , एक ऐसा भी ऐप है, जिस पर इंसानों की खरीद-फरोख्त होती है। यहां घर में काम करने के लिए महिलाएं, नौकर-चाकर बेचे जाते हैं। कुछ लोग इन्हें किराए पर भी लेकर जाते हैं। दरअसल, सऊदी अरब (Saudi Arabia) की ऑनलाइस शॉपिंग ऐप हराज (Haraj App) पर इंसानों की सेल लगती है। गूगल (Google) के प्ले स्टोर पर भी इस समय कई ऐसे ऐप हैं, जिस पर विदेशी कामगरों की सेलिंग होती है। इन्ही में से एक सऊदी अरब की हराज ऑनलाइन शॉपिंग ऐप है। जिस पर खुलेआम इंसान खरीदे और बेचे जाते हैं।

रोजाना 5 लाख से ज्यादा इस्तेमाल

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हराज ऐप को हर दिन 5 लाख से ज्यादा लोग यूज कर रहे हैं। सऊदी अरब की सबसे बड़े ऐप में से यह एक है। इस ऐप पर हर तरह का नया और पुराना सामान खरीदा और बेचा जाता है। हाल ही में एक जानकारी भी सामने आई है, जिसके मुताबिक इस ऐप पर सामानों के साथ ही इंसानों की खरीद-फरोख्त होती है।

इंसानों के बेचने की हर दिन कई पोस्ट

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सऊदी के लोग हर दिन कई ऐसी पोस्ट डालते हैं, जिसमें इंसानों को खरीदा और बेचा जाता है।

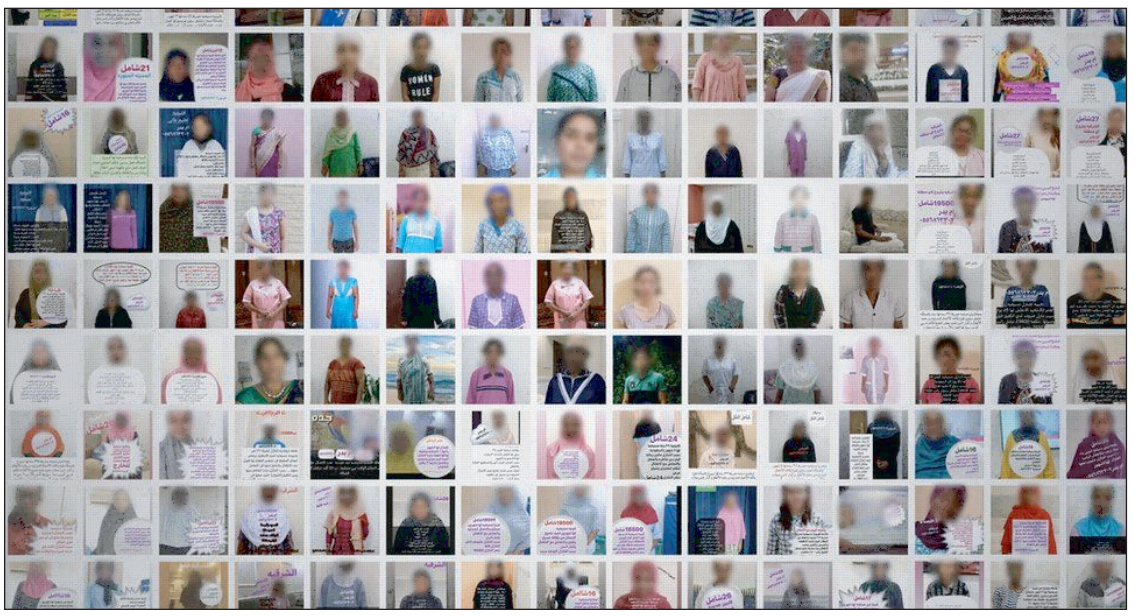

इस ऐप पर घर में काम करने वाली महिलाएं, नौकर, ड्राइवर या विदेशी कामगर बेचे या किराए पर दिए जाते हैं।दरअसल, भारत, पाकिस्तान और बंग्लादेश जैसे देशों से बड़ी संख्या में लोग काम की तलाश में सऊदी जाते हैं। उनके पास वहां की नागरिकता नहीं होती है। ऐसे में जब तक उनकी कोई कानूनी जिम्मेदारी नहीं लेता है, तब तक वे वहां काम नहीं कर सकते हैं। इसे कफाला कहते हैं और मजदूर की कानूनी जिम्मेदारी लेने वाले को कफील कहते हैं।

गुलामों जैसा काम कराते हैं

कफील बाहर से आने वाले कामगरों को अपने मन के मुताबिक काम कराते हैं और अपनी शर्तों पर कॉन्ट्रैक्ट देते हैं। दूसरे देशों से सऊदी जाने वाले लोग भी हराज पर पोस्ट डालते हैं। सऊदी में समान की तरह बिकने वाले इन लोगों से गुलामों जैसा सलूक किया जाता है। कई कफील तो उनका पासपोर्ट ही जब्त कर लेते हैं और गलत व्यवहार भी करते हैं।बता दें कि सऊदी अरब, कुवैत, कतर और जॉर्डन जैसे देशों में कफाला को कानूनी मान्यता प्राप्त हैं लेकिन इस तरह इंसानों की खरीद-फरोख्त गैर-कानूनी है। संयुक्त राष्ट्र ने भी साल 2020 में इस ऐप को गुलामी को बढ़ावा देने वाला ऐप बताया था, लेकिन इस पर रोक नहीं लग पाई है।

चावल से होंगे घुटनों तक लंबे बाल - करिये यूँ इस्तेमाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चावल को आजकल कई स्किन केयर और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किया जाने लगा है. खासकर कोरियाई और चीनी प्रोडक्ट्स में चावल से बनने वाले प्रोडक्ट्स का खासा इस्तेमाल होता है. रही बालों पर चावल के असर की बात तो अगर चावल का पानी (Rice Water) अपने हेयर केयर का हिस्सा बनाया जाए तो बालों पर कुछ इस्तेमाल के बाद ही इसका असर देखने को मिल सकता है. धूप, धूल, मिट्टी के साथ-साथ केमिकल युक्त पदार्थ भी बालों को खूब नुकसान पहुंचाते हैं. ऐसे में इस प्राकृतिक नुस्खे (Natural Remedy) को आजमाने पर आपके बालों की सूरत और सीरत बदल सकती है.

बालों के लिए चावल का पानी

चावल का पानी बनाने के लिए चावल को कुछ घंटे पानी में भिगोकर रखें. इसके बाद चावल को पकाने के लिए छान लें, लेकिन इसके पानी को फेंके नहीं. सफेद स्टार्च वाले इस चावल के पानी को आप बालों पर इस्तेमाल कर सकते हैं. चावल के पानी में खनिज और विटामिन पाए जाते हैं. यह पानी स्कैल्प (Scalp) की स्किन सेल्स ग्रोथ और ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने में भी मददगार है.

चावल के पानी का शैंपू

चीन के हुआंग्लुओ गांव का नाम बुक ऑफ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल है जिसका कारण है इस गांव की महिलाओं के दुनिया में सबसे लंबे बाल (Long Hair) होना. इस गांव की महिलाएं चावल के पानी को शैंपू की तरह इस्तेमाल करती हैं. ये महिलाएं फर्मेंटेड चावल के पानी से बाल धोती हैं और किसी तरह के केमिकलयुक्त पदार्थ का इस्तेमाल नहीं करतीं.

चावल के पानी का हेयर टोनर

चावल के पानी को टोनर (Rice Water Toner) की तरह लगाने के लिए बालों को शैंपू से धो लें. इसके बाद चावल के पानी को हाथ में लेकर बालों की जड़ों से सिरों तक अच्छे से लगाएं और तकरीबन 20 मिनट तक बालों पर लगाकर रखने के बाद धो लें. इसके बाद बालों को साफ पानी से धोएं. हफ्ते में एक बार इस नुस्खे को आजमाया जा सकता है.

डैंड्रफ के लिए

हेयर ग्रोथ (Hair Growth) के साथ-साथ डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए चावल के पानी का इस्तेमाल किया जा सकता है. चावल का पानी डैंड्रफ, ड्राई स्किन और सिर की सतह पर नजर आने वाली फ्लेकी स्किन को दूर करता है और सिर की सफाई करने में मददगार है. इसके लिए बालों में कुछ देर चावल के पानी को लगाकर रखें और फिर धो लें. आप स्प्रे बोतल में भी चावल का पानी भरकर बालों पर छिड़क सकते हैं.

ब्राह्मणों को शराब पीना क्यों मना है ? ये है वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फरवरी , कच्छ, बृहस्पति देव जो सभी देवताओं के गुरु थे, के सबसे बड़े पुत्र थे। यह दिखने में बेहद ही खूबसूरत थे। कच्छ, उस समय युवा बालक की अवस्था में थे जब देवताओं और असुरों के बीच भयंकर युद्ध हुआ। देवताओं ने शिकायत की, कि असुर गुरु शुक्र देव असुरों को हर तरह से बचाने के बेहतर प्रयास कर रहे हैं। शुक्र देव को भगवान शिव के महामृत्युंजय मंत्र की जानकारी थी, जिसका इस्तेमाल करके वह मरे हुए असुरों में वापस जीवन ला रहे थे। देवता भी इस मंत्र को सीखना चाहते थे, कच्छ ने देवताओं की मदद करने के लिए स्वेच्छा से आगे कदम बढ़ाया।

कच्छ और देवयानी की दोस्ती

कच्छ, खुद से शुक्रदेव के पास गए और उनका छात्र बनने की इच्छा जताई। शुक्र देव ने भी सहर्ष उनकी इच्छा स्वीकार कर ली और उन्हें पढ़ाना शुरू कर दिया। शुक्रदेव की एक बहुत प्यारी पुत्री थी, जिसका नाम था देवयानी। देवयानी और कच्छ लगभग एक ही उम्र के थे, इसलिए बहुत जल्दी अच्छे दोस्त बन गए। असुरों ने इस दोस्ती पर संदेह हुआ, उनको लगा कच्छ का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं अपितु शुक्र देव द्वारा महामृत्युंजय मंत्र को सीखना है। इसलिए जब कच्छ, शुक्रदेव के घर के मवेशियों को चराने जंगल में गए, तो उन्होंने कच्छ को मार दिया और शुक्रदेव से कहा कि उसे भेड़िया खा गया।

शुक्रदेव द्वारा कच्छ को बार बार जीवनदान देना

जब काफी समय बीत जाने के बाद भी कच्छ नहीं लौटे, तो देवयानी रोने लगी। अपनी प्रिय पुत्री को इस तरह रोते देखकर शुक्रदेव ने उनसे कारण पूछा और कारण जानने के बाद कच्छ को वापस लाने के लिए महामृत्युंजय का जाप किया। कच्छ, भेड़िए के पेट को चीरकर जीवन जीने के लिए

वापस आ गए। असुर यह सब देख कर बहुत दुखी हुए साथ ही उन्हें बहुत क्रोध भी आया। इसलिए जब अगले दिन कच्छ नदी में स्नान करने गए तो असुरों ने उनको वही मार डाला और उनकी राख को समुद्र में मिला दिया। फिर से वही सब हुआ, अर्थात देवयानी रोने लगी और अपनी प्यारी पुत्री को खुश करने के लिए शुक्र देव ने मंत्रोच्चारण कर के कच्छ को जीवन दिया, इस बात से असुरों के क्रोध की सीमा न रही।

कच्छ एवं देवयानी द्वारा एक दूसरे को दिया गया श्राप

इसलिए अगली बार जब असुरों ने कच्छ को पकड़ा तो उसे मार डाला और एक मादक में उसकी राख को मिलाकर अपने ही शिक्षक शुक्रदेव को दिला दिया। शुक्रदेव इस बात से अनजान थे कि उस मादक में कच्छ की राख मिली हुई है, पी ली। अब जब देवयानी कच्छ को ना पाकर रोने लगी और शुक्रदेव ने महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया तो शुक्र देव को एहसास हो गया कि कच्छ उनके पेट में हैं। यदि कच्छ बाहर आऐ तो वह मर जाएंगे। यह जानकर कि शुक्र देव की मृत्यु निश्चित है, उन्होंने कच्छ को महामृत्युंजय मंत्र अपने पेट के भीतर ही सिखाया, इसके बाद उन्होंने महामृत्युंजय का जाप करके कच्छ को जीवनदान दिया और कच्छ ने बाहर आकर महामृत्युंजय मंत्र का सही उच्चारण करके अपने गुरु अर्थात शुक्रदेव को वापस जीवित किया।

इतना सब हो जाने के बाद कच्छ ने अपने गुरु से कहा कि अब वह वापस जाना चाहते हैं। इस समय देवयानी ने कहा कि वह उनसे प्रेम करती हैं और उनसे शादी करना चाहतीं हैं। परंतु कच्छ ने मना कर दिया उन्होंने कहा क्योंकि वह शुक्र देव के पेट से बाहर आए हैं और इस तरह उनके पुत्र समान हुए और देवयानी उनके लिए एक बहन की तरह हुईं। यह सुनकर देवयानी को बहुत क्रोध आया और उन्होंने को शाप दे दिया कि जो मंत्र उन्होंने सीखा है वह कभी प्रभावी नहीं होगा। कच्छ ने भी देवयानी को श्राप दिया कि वह कभी किसी देवता के पुत्र से विवाह नहीं कर सकेगी।

शुक्रदेव का ब्राह्मणों को मदिरापान मना करना

कच्छ खुशी-खुशी वापस आ गए और जो मंत्र उन्होंने शुक्रदेव से सीखा था, वह दूसरे देवताओं को सिखा दिया। इसके बाद देवयानी का विवाह ययाति नामक एक राजा से हो गया। यह सारी मुश्किलें शुक्रदेव के शराब पीने के कारण हुई थी, इसीलिए उन्होंने सभी ब्राह्मणों को शराब पीने से मना कर दिया।

सीएम धामी ने पूर्व मंत्री मोहन सिंह गांववासी की कुशलक्षेम जानी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी वरिष्ठ नेता तथा पूर्व मंत्री मोहन सिंह गांववासी की कुशलक्षेम जानने के लिए हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट पहुंचे। मुख्यमंत्री धामी ने अस्पताल पहुंचकर मोहन सिंह गांववासी से मुलाकात की तथा उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने मोहन सिंह गांववासी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्यमंत्री धामी ने अस्पताल पहुंचकर सुशीला बलूनी से मुलाकात की

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी तथा उत्तराखंड महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुशीला बलूनी की कुशलक्षेम जानने के लिए हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट पहुंचे। मुख्यमंत्री धामी ने अस्पताल पहुंचकर सुशीला बलूनी से मुलाकात की तथा उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने सुशीला बलूनी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

कॉंग्रेस घर-घर बाटेगी सरकार की चार्जशीट : हरीश रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा, 3 फ़रवरी। अल्मोड़ा। पूर्व सीएम हरीश रावत ने शुक्रवार को अल्मोड़ा नगर के एक होटल में प्रेसवार्ता कर हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी दी। पूर्व सीएम ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को पूरे देश में अभूतपूर्व सफलता मिली। कहा कि अब कांग्रेस हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा निकाल रही है। इसके लिए जिला, ब्लॉक प्रभारी और समन्वयक तय कर दिए हैं। यात्रा के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर तक राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े की चिट्ठी बाटेंगे। साथ ही कॉंग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन मेहरा की ओर से तैयार की गई राज्य सरकार की चार्जशीट बाटेंगे। कहा कि भाजपा राज में योग्य बेरोजगारों से छल किया जा रहा है। आयोगों में बैठे माफिया नौकरियों को बेच रहे हैं।भाजपा सरकार में जितनी नौकरियां दी गईं उससे कई ज्यादा नौकरियां छीनी गई हैं। कहा कि सरकार की छत टपकने लगी है। हर तरफ, भ्रस्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई का बोलबाला है। योग्य युवाओं को नौकरी से वंचित किया जा रहा है।

सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवक को व्यायाम के दौरान आया हार्ट अटैक, मौके पर हुई मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़, 3 फ़रवरी। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में सेना भर्ती की तैयारी कर रहे एक युवक की शुकवार को देव सिंह मैदान में व्यायाम करने के दौरान मौत हो गई। युवक के निधन से मैदान में व्यायाम के लिए आए खिलाड़ियों में शोक की लहर दौड़ गई।

कासनी गांव निवासी पारस कसन्याल (18) पुत्र मनोज कसन्याल सेना भर्ती की तैयारी कर रहा था। वह रोजाना अपने गांव कासनी से पांच किमी दौड़कर देव सिंह मैदान पहुंचता था। इसके बाद वह यहां व्यायाम करता था। शुक्रवार सुबह वह हर रोज की तरह दौड़ लगाकर मैदान पहुंचा और व्यायाम करने लगा। इसी दौरान वह अचानक जमीन पर गिर पड़ा। कुछ दूरी पर व्यायाम कर रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र लुंठी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष त्रिलोक महर, शंकर खड़ायत उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे बचाने के लिए भरसक प्रयास किए लेकिन उसकी मौत हो गई। अस्पताल के डॉक्टर अमन आलम ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर आलम का कहना है कि संभवतया पारस की मृत्यु ह्रदयाघात से हुई। इस घटना से वहां शोक छा गया। जिला अस्पताल से मृत घोषित होने के बाद परिजन उसे घर ले गए। सांसें चलने के संदेह में परिजन पारस को लेकर सेना के अस्पताल पहुंच गए पर वहां भी चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। घटना से युवक के परिजनों के साथ ही ग्रामीण सदमे में हैं।

लड़कियों को आकर्षक बॉडी से लुभाने में जान गँवा रहे युवा !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

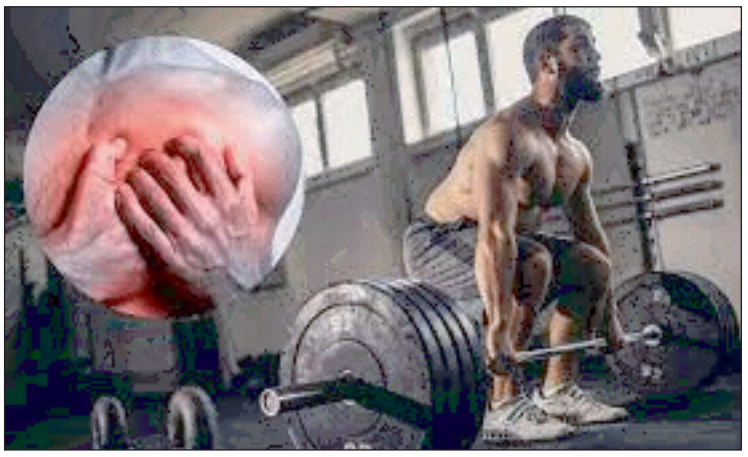

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फरवरी , यह तो सभी जानते हैं कि दिल (Heart) और दिमाग (Brain) का गहरा कनेक्शन होता है. इंसान को फिट रहने के लिए दिल और दिमाग को दुरुस्त रखने की जरूरत होती है. अगर इनमें से एक भी चीज का बैलेंस बिगड़ जाए तो इंसान की जिंदगी तबाह हो सकती है. पिछले कुछ समय में युवाओं में हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट के मामले तेजी से बढ़े हैं. इसकी चपेट में आकर कई सेलिब्रिटी भी जान गंवा चुके हैं. जो लोग फिटनेस को लेकर सतर्क रहते हैं, वे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं. सवाल उठता है कि बेहतरीन फिटनेस वाले लोग हार्ट अटैक की चपेट में क्यों आ रहे हैं? इससे जुड़े सभी सवालों के जवाब कार्डियोलॉजिस्ट से जान लेते हैं.

दोस्तों को दिखाते है जिम वाली बॉडी

सीनियर डॉ. के अनुसार युवा फ्रेंड्स और खासकर महिला दोस्तों को प्रभावित करने के लिए आकर्षक बॉडी बनाने के लिए जिम जॉइन कर लेते हैं और सप्लीमेंट का सेवन शुरू कर देते हैं. यह सप्लीमेंट हार्ट के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं. जिम जॉइन करने से पहले हेल्थ चेकअप न कराना भी हार्ट अटैक की वजह बन सकता है.गलत तरीके से एक्सरसाइज करना आपके लिए फायदेमंद के बजाय नुकसानदायक साबित हो सकता है. इसलिए जिम हमेशा क्वालिफाइड ट्रेनर के निर्देशों के अनुसार ही करनी चाहिए. खानपान को बेहतर बनाना चाहिए और सप्लीमेंट नहीं लेना चाहिए. इसके अलावा खराब लाइफस्टाइल, सिगरेट और अल्कोहल समेत कुछ गलत आदतें भी हार्ट के लिए खतरनाक होती हैं.

सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट बताते हैं कि दिल को हेल्दी रखने के लिए फिजिकल हेल्थ के साथ मेंटल हेल्थ का ध्यान रखना यह बेहद जरूरी होता है. अधिकतर लोग फिजिकल फिटनेस पर ध्यान देते हैं, लेकिन मेंटल हेल्थ उनकी लगातार खराब होती चली जाती है. लंबे समय तक ऐसा होने से वह मेंटल इलनेस का शिकार हो जाते हैं और इसका सीधा असर हार्ट पर पड़ता है. ज्यादा तनाव, एंजायटी, डिप्रेशन और अन्य मानसिक दिक्कतें हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा देती हैं. मेंटल हेल्थ आपके हार्ट से सीधे तौर पर जुड़ी हुई होती है. दिमागी परेशानियां दिल की दुश्मन बन सकती हैं और आप मौत के मुंह में समा सकते हैं.

लड़की ढूंढ रहे प्रोफेशनल्स चूल्हा-चौका करने को तैयार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फ़रवरी , भारत की लीडिंग ऑनलाइन मैट्रिमोनी सर्विस Bharat Matrimony की सालाना ट्रेंड्स रिपोर्ट 2022 जारी हो गई है। यूजर्स की एक्टिविटी के आधार पर तैयार इस रिपोर्ट में सामने आया है कि 5 मिलियन से ज्यादा लोगों को जीवनसाथी खोजने में इस साइट ने मदद की है। पिछले साल दुनियाभर में कुल 280 मिलियन सिंगल्स ने इस साइट पर लॉग-इन किया, जिसमें से कुल 4,32,520 यूजर्स ने लाइफ पार्टनर मिलनेकी पुष्टि की।

हर मिनट 13 हजार बातचीत

इस रिपोर्ट के मुताबिक, हर मिनट इस साइट पर 13 हजार लोगों के बीच जीवन साथी खोजने पर बातचीत हुई है। Matrimony.com के सीईओ मुरुगवेल जानकीरमन ने इस रिपोर्ट को लेकर कहा कि उनकी मंशा है कि हर कोई जो उनकी वेबसाइट पर आ रहा है, उसे सही लाइफ पार्टनर मिले। उनका प्रयास है कि समाज के हर तबके तक उनकी साइट पहुंचे।

25 से 29 साल के युवा सबसे ज्यादा एक्टिव

रिपोर्ट के मुताबिक, मेट्रोमोनियल साइट पर सबसे ज्यादा 25 से 29 साल के लोग एक्टिव रहते हैं। रविवार को इसका इस्तेमाल ज्यादा होता है। सीईओ मुरुगवेल के अनुसार, कुछ इंजीनियरिंग प्रोफाइल में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, वहीं आर्किटेक्ट की प्रोफाइल में भी 10% का इजाफा हुआ है। यानी कि इस वेबसाइट पर इंजीनियर्स और आर्किटेक्ट ज्यादा कनेक्ट हैं।

चूल्हा चौका करने तक को तैयार

कंपनी की तरफ से जो रिपोर्ट दी गई है, उसके मुताबिक 2022 में वेबसाइट के साथ 5 लाख से ज्यादा आईटी और ITES प्रोफेशनल्स रजिस्टर्ड हुए हैं। ऑनलाइन मैचिंग में सॉफ्टवेयर और टेक स्पेस में मैचमैकिंग ज्यादा देखने में आई है। ज्यादातर लड़कियों ने बैमिंटर को अपना फेवरेट स्पोर्ट्स बताया है। वहीं लड़कों ने क्रिकेट को चुना है। ज्यादातर लड़कों ने अपनी हॉबी कुकिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग और वीडियो ब्लॉगिंग बताया है। जबकि लड़कियों ने खाना बनाना, डांस करना और सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना।

क्या आपको भी है ये गन्दी लत-आज ही छोड़ दीजिये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 फ़रवरी , हमारी आदतों का कनेक्शन कहीं न कहीं हमारे ग्रहों से जरूर जुड़ा होता है. आदतें अच्छी हो तो हर व्यक्ति अपने जीवन में जरूर कामायब होता है. साथ ही जीवन में सकारात्मकता भी बनी रहती है. साथ ही बुरी आदतें हमारे जीवन में नकारात्मकता असर डालती है. ज्योतिषशास्त्र में भी आदतों का संबंध हमारे ग्रह से बताया गया है. आइए जानते हैं शास्त्रों के अनुसार कौन सी बुरी आदतें हमारे ग्रहों को कमजोर बनाते हैं....

दांतों से नाखून खाना/ काटना:

अक्सर आपने देखा होगा कि लोग अपने दांतों से नाखून काटते रहते हैं. दांतों से नाखून काटना गंदी आदत है, साथ ही इससे शनि और राहु ग्रह कमजोर होते है. जो हमारी सेहत पर बुरा असर डालते हैं.

रास्ते में बार-बार थूकना:

बहुत से लोगों की आदत होती है जब वो रास्ते में चलते हुए थुकते रहते हैं जो कि बुरी आदत है. इस आदत से आपका सूर्य ग्रह कमजोर होता है. जो लोग ऐसा करते हैं तो उनको धन की कमी, कार्यों में असफलता और पिता से रिश्ते खराब होते है. साथ ही ऐसे लोगों को नौकरी और करियर संबंधित क्षेत्रों में हानि झेलनी पड़ती है.

देर रात तक जगना

अक्सर लोग देर रात तक जागने की आदत होती है. जो लोग ऐसा करते हैं उनका चंद्र ग्रह कमजोर होता है. चंद्र ग्रह कमजोर होने से सुख शांति प्रभावित होती है. बिजनेस में नुकसान की आशंका रहती है. मन स्थिर न रहने से निर्णय क्षमता प्रभावित होती है....

पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचाना

पेड़-पौधे हरियाली, सुख-समृद्धि का प्रतीक होते हैं. साथ ही इनका संबंध ग्रहों होता है. जो लोग पेड़ पौधों को नुकसान पहुंचाते हैं, उन जातकों का बुध ग्रह कमजोर होता है. इससे बिजनेस और करियर में तरक्की नहीं कर पाते है और धन हानि झेलनी पड़ती है.

रसोई और पूजा घर का गंदा रखना

जो लोग अपने रसोई और पूजा घर को गंदा रखते हैं, उनके मंगल और गुरु दोनों ग्रह कमजोर होते हैं. किचन से मंगल ग्रह और पूजा घर से गुरु का संबंध होता है. इन दोनों ग्रहों का दोष होने से कार्यों में सफलता प्राप्त नहीं होती है, साथ ही शिक्षा में बाधा आती है. साथ ही वैवाहिक जीवन में कई प्रकार की समस्याएं पैदा होती है. रसोई और पूजा घर में गंदगी वास्तु दोष भी उत्पन्न करते हैं.

इस कुत्ते ने गिनीज रिकॉर्ड बनाकर किया धमाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फ़रवरी , आमतौर पर पालतू डॉग्स की उम्र 12 से 14 वर्ष के बीच होती है पर पुर्तगाल के इस डॉग ने दुनिया के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पुर्तगाल के एक परिवार का पालतू डॉग बॉबी दुनिया का सबसे उम्रदराज डॉग (World's Oldest Dog) घोषित किया गया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (Guinness Book of World Records) के मुताबिक बॉबी की उम्र 30 साल 266 दिन है।

इस उम्र में भी स्वस्थ है बॉबी

गिनीज बुक द्वारा दुनिया के सबसे उम्रदराज डॉग का वीडियो भी शेयर किया गया है। बताया गया कि बॉबी से पहले ये रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के 'ब्लू' नामक डॉग के नाम था, जिसकी 29 वर्ष की उम्र में मृत्यु हुई थी। वहीं 30 वर्ष 266 दिन की उम्र में भी बॉबी (Bobi) आम कुत्तों की तरह ही चलता-फिरता और मस्ती करता नजर आता है। इतना ही नहीं बॉबी आज भी पूरी तरह से स्वस्थ है।

इंसानों की तरह रहता है बॉबी

पुर्तगाल के ग्रामीण इलाके लीरिया में रहने वाला कोस्टा परिवार 1992 में बॉबी को घर लाया था। लीरिया नगर पालिका में बॉबी के जन्म की तारीख 11 मई 1992 दर्ज है। तभी से बॉबी कोस्टा परिवार में इंसानों की तरह जी रहा है। परिवार के सदस्यों ने गिनीज बुक को बताया कि बॉबी इंसानों की तरह ही खाना खाता है और उसे आजतक कभी भी नहीं बांधा गया। उसे जंगल व खुले वातावरण में घूमना पसंद है और यही उसकी तंदरुस्ती का राज है।

धर्म - कर्म : महाशिवरात्रि पर बन रहा है सर्वार्थ सिद्धि योग, कीजिये ये उपाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फ़रवरी , फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। इस दिन शिवभक्त शिवरात्रि व्रत का पालन करते हैं और महादेव एवं माता पार्वती की उपासना पूर्ण भक्ति से करते हैं। आपको यहाँ ये भी बता दें कि महाशिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव और माता पार्वती विवाह के पवित्र सूत्र में बंधे थे। इस वर्ष महाशिवरात्रि पर्व 18 फरवरी 2023 के दिन मनाया जाएगा। इस वर्ष महाशिवरात्रि के दिन शनि प्रदोष व्रत का अत्यंत दुर्लभ संयोग बन बन रहा है। साथ ही इस दिन सर्वाथ सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है। ज्योतिष शास्त्र में इस संयोग के लिए कुछ खास उपाय बताए गए हैं, जिनका पालन करने से भक्तों को भगवान शिव की असीम कृपा प्राप्त होती है।

महाशिवरात्रि- शनि प्रदोष व्रत और सर्वार्थ सिद्धि योग उपाय आपको बताते हैं जो बेहद लाभकारी होते हैं।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा करें और जल में काला तिल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें और 'ॐ नमः शिवाय' का निरंतर जाप करें। मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान शिव अतिप्रसन्न होते हैं।

महाशिवरात्रि के दिन पूजा के समय भोलेनाथ को कुल 21 बेलपत्र एक-एक करके अर्पित करें। इसके बाद शिव चालीसा का पाठ अवश्य करें। इस उपाय का पालन करने से शिव जी प्रसन्न होते हैं और साथ ही शनि देव का अशुभ प्रभाव कम हो जाता है। शिवरात्रि के दिन शाम 04 बजकर 12 मिनट से अगले दिन सुबह 06 बजकर 03 मिनट तक सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन इस शुभ योग में 13 बेलपत्र लें और उनपर शहद लगाएं। फिर 'ॐ नमः शिवाय' का उच्चारण करते हुए शिवजी को अर्पित करें। ऐसा करने से आर्थिक संकट दूर हो जाता है।

पूजा पाठ से पहले स्नान करना आवश्यक माना जाता है। इसलिए शिवरात्रि के दिन महाशिवरात्रि की पूजा से

पहले सर्वार्थ सिद्धि योग में स्नान-ध्यान करें। स्नान से पहले पानी बेलपत्र लाल-चंदन, दही, हल्दी और बेसन मिलाकर स्नान करें। मान्यता है कि ऐसा करने से आरोग्यता का आशीर्वाद मिलता है और सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

आज पहली बार मनाया जाएगा Supreme Court का स्थापना दिवस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फरवरी , आज पहली बार भारत के सर्वोच्च न्यायालय का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सिंगापुर के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस सुंदरेश मेनन को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। जस्टिस मेनन 'बदलती दुनिया में न्यायपालिका की भूमिका' के बारे में बात करेंगे। आपको बता दें कि 73 सालों में पहली बार सुप्रीम कोर्ट का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इसमें वकालत से जुड़ी देश-विदेश की कई

हस्तियां शिरकत करने वाली हैं।यह कार्यक्रम भारत के सुप्रीम कोर्ट की 73वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में जस्टिस संजय किशन कौल स्वागत भाषण देंगे और इनके साथ ही इसमें मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ भी अपने विचार रखेंगे। सीजेआई ने न्यायमूर्ति सुंदरेश मेनन का स्वागत किया और कहा कि मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन को आमंत्रित करना सम्मान की बात है। आपको बता दें, सिंगापुर के सीजेआई, सुंदरेश मेनन भारतीय मूल के न्यायाधीश हैं।

गुस्साए हाथी ने मचाई तबाही, शख्स को पटक-पटक कर मार डाला, कार और झोपड़ी को भी कुचला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 3 फ़रवरी। लक्ष्मण झूला-नीलकंठ मार्ग पर पटना वाटरफॉल के समीप शुक्रवार की अलसुबह जंगल से सड़क पर आए एक हाथी ने एक व्यक्ति को पटक कर मार डाला। हाथी ने वहां कुछ झोपड़ी नुमा दुकान और कार को भी क्षति पहुंचाई है। मृतक की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। थाना लक्ष्मण झूला क्षेत्र के अंतर्गत गरुड़ चट्टी चौकी से करीब दो किलोमीटर आगे नीलकंठ मार्ग पर पटना वाटर फाल के समीप यह घटना बताई गई है। सुबह करीब 6:30 बजे स्थानीय नागरिकों ने गरुड़ चट्टी पुलिस चौकी को सूचना दी कि वाटर फॉल के समीप हाथी ने एक व्यक्ति को मार दिया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद गुंसाई ने बताया कि पुलिस टीम ने सुबह चार बजे क्षेत्र में हाथी को सड़क पर घूमते देखा था। सावधानी बरसते हुए इस मार्ग पर जाने वाले वाहनों को रोक दिया गया था। पटना वाटरफॉल के समीप अक्सर सड़कों पर घूमने वाले एक व्यक्ति को हाथी ने पटक

कर मार डाला। वन विभाग की टीम को सूचित किया गया है। राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत यह घटना बताई गई है। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष है। पुलिस के मुताबिक आसपास रहने वाले ग्रामीणों से मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। हाथी ने वहां खड़ी एक कार और झोपड़ी नुमा एक दुकान को भी क्षति पहुंचाई है।

गटर के पानी से चलेगी यह कार, चार्जिंग की झंझट खत्म

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फरवरी , पेट्रोल-डीजल, सीएनजी, इलेक्ट्रिक, हाइड्रोजन कार के बाद अब गटर के पानी से चलने वाली कार भी आ गई है। दुनिया की प्रमुख कार रिसर्च कंपनी ने इस एसयूवी को बनाया है। इसमें बैटरी नहीं है, यह गटर के पानी यानी वेस्ट वाटर से दौड़ती है।इस कार के टैंक को गटर के पानी से फुल करने के बाद इसे 2,000 किलोमीटर तक फर्राटा दौड़ा सकते हैं। कंपनी जल्दी ही इसे मार्केट में भी उतारने जा रही है। 5 लाक किलोमीटर तक टेस्ट करने के बाद यह आपके लिए पेश हो जाएगी। इस कार से न चार्जिंग का झंझट है और ना ही इसकी पावर का कोई तोड़ है। इससे पॉल्युशन भी नहीं फैलेगा।

इस कार का नाम क्वांटिनो ट्वेटीफाइव है। यह बिल्कुल ही डिफरेंट टेक्नोलॉजी पर बनाई गई है। इस कार में नैनो-स्ट्रक्चर्ड बाइ-इयॉन मो ले कु ल स (Nano-Structured bi-ION molecules) का यूज किया गया है। इस तकनीकी से मोलेकुल्स बैटरी की

बजाय समंदर के पानी या इंडस्ट्रियल वाटर वेस्ट यानी गटर के पानी का यूज किया जा रहा है। पानी बायोफ्यूल की तरह काम करता है, इसमें 125 लीटर के दो टैंक में भरते हैं।इसी बायोफ्यूल तकनीकी से बिजली जेनरेट होती है, जो इस कार में लगे 60kW के चार मोटर को पावर देने का काम करती है। ये चारों मोटरर एसयूवी के चारों पहियो में रोटेट किया गया है। फ्यूल की एफिसिएंसी मॉडर्न लीथियम

ऑयन बैटरियों की तरह वर्क करता है। इससे कोई पॉल्युशन नहीं फैलता है, किसी तरह की आवाज नहीं आती है। इस कार से न तो जहरीला कुछ निकलता है, न ही यह आग पकड़ती है और न ही किसी तरह से खतरनाक है। ब्रिटेन की नैनोफ्लोसेल होल्डिंग्स पीएलसी (NFC) ने इस कार को बनाया है। न्यूयॉर्क में इस एसयूवी को रजिस्टर किया गया है और यहीं यह कार बेची जा रही है।

काम की बात : क्या है एंग्जायटी अटैक और कैसे कर सकते हैं इसका सामना ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फरवरी , जब किसी चिंता या तनाव के चलते एकदम से घबराहट होने लगती है, नींद उड़ जाती है, शरीर पसीने से भीग जाता है या ऐसे ही कुछ अजीबों-गरीब रिएक्ट बॉडी करती है, तो उसे एंग्जायटी कहा जाता है। एंजायटी अटैक एकदम से होता है, इसमें व्यक्ति को किसी बात को लेकर बहुत ज्यादा टेंशन होने लगती है या डर लगने लगता है। एंजायटी अटैक का ट्रिगर मन में किसी चीज़ के प्रति डर है। जो किसी भी चीज़ को लेकर हो सकता है। फिर चाहे वो स्कूल, कॉलेज का पहला दिन हो या नौकरी के लिए इंटरव्यू। जरूरत से ज्यादा सेल्फ कॉन्शस होना और सोशल सिचुएशन का डर भी इस अटैक की वजह बन सकता है।

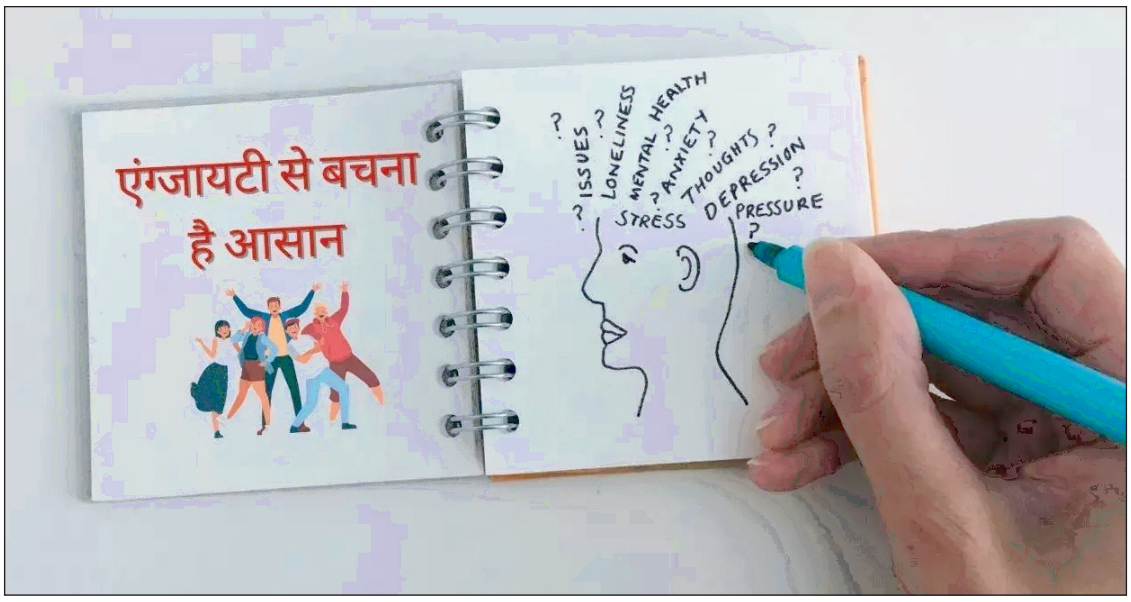

एंग्जायटी की वजहें ?

किसी बात को लेकर बहुत ज्यादा सोचना एंग्जायटी है। काम का प्रेशर, फाइनेंशियल प्रॉब्लम, फैमिली या रिलेशनशिप की प्रॉब्लम्स, तलाक, सेपरेशन, हेल्थ प्रॉब्लम्स, नई जगह शिफ्ट होने जैसी कई समस्याएं एंग्जायटी की वजह हो सकती हैं।

एंग्जायटी के लक्षण

- नींद न आना- भूख की कमी- चिड़चिड़ापन- सिरदर्द- धड़कन तेज हो जाना- उल्टी या मतली- चक्कर आना- डायरिया- ज्यादा पसीना आना- फोकस करने में दिक्कत

एंग्जायटी को ऐसे करें मैनेज

एंग्जायटी दूर करने के लिए सबसे पहले इसके लक्षणों को पहचानना जरूरी है। जिसके बाद ही इसे मैनेज करना संभव है।अपनी पसंद की चीज़ों में वक्त बिताएं। इसके अलावा योग, मेडिटेशन काफी हद तक एंग्जायटी से निपटने में मददगार है। इतना करने के बाद भी अगर आपको अपने में सुधार नजर नहीं आ रहा तो डॉक्टर से सहायता लेने में बिल्कुल न हिचकिचाएं क्योंकि समय रहते अगर इसे कंट्रोल नहीं किया गया तो ये आपकी सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है।

पढ़ाई में 'टॉप' करने वाले स्टूडेंट्स की आदतें होती हैं ख़ास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फरवरी , क्या आपने भी कभी ऐसा महसूस किया है कि कुछ छात्र दूसरे छात्रों की तुलना में अधिक सफल होते हैं, लेकिन ऐसा क्यों ? इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं परंतु जो सबसे ज्यादा संभावित कारण है वह यह कि उनके द्वारा अपनाई गई कुछ ऐसी आदत है जो उन्हें दूसरों से अलग और सफल बनातीं हैं। इसलिए हमने यहां पर छात्रों के लिए हर दिन अभ्यास करने योग्य 40 ऐसी अच्छी आदतों की एक सूची बनाई है जिन्हें आप अपने अंदर अपनाकर स्वयं उन्हें विकसित कर सकतें हैं तथा आप स्वयं को एक खुश, स्वस्थ और अधिक सफल छात्र बना पाएंगे।

कम से कम 5 उन महत्वपूर्ण कार्यों को लिखना शुरू करें, जो आपको दिन में पूरे करने हैं

यह लिखे हुए कार्य आपको अपने अंदर एक अच्छी आदत को विकसित करने में मदद करेंगे। ये आपको प्रोत्साहित करेंगे और मार्गदर्शन देंगे। एक लिखित सूची जब सामने होती है, तो उसे अनदेखा करना मुश्किल हो जाता है। यदि आप रोज अपने लिए तीन से पांच महत्वपूर्ण कार्यों को लिखेंगे, तो आप उन पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकेंगे और इससे पहले कि वह आपके लिए अत्यधिक जरूरी हो जाएं, आप उन्हें नियमित अवधि से पहले ही पूर्ण करने की आदत भी बना पाएंगे। यदि आप एक होशियार विद्यार्थी बनना चाहते हैं और साथ ही अपनी उत्पादकता को भी बढ़ाना चाहते हैं, तो इस आदत को आप अभी से अपने अंदर पैदा करने की कोशिश करना शुरू कर दीजिए।

अपने कैलेंडर में महत्वपूर्ण तारीख और आयोजनों को समय-समय पर अपडेट करते रहे

यदि आप अपने कैलेंडर को समय-समय पर विशेष तारीखों और आयोजनों के अनुसार अपडेट करते रहेंगे, तो यह भविष्य की योजना बनाते समय यह आपके लिए बहुत मददगार साबित होगा। आप चाहे तो किसी भौतिक कैलेंडर या ऑनलाइन जैसे कि गूगल कैलेंडर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें आप अपनी परीक्षा की तारीख, प्रोजेक्ट को प्रस्तुत करने की समय सीमा इत्यादि का रिकॉर्ड रख सकते हैं। इस तरह आप अपने हर कार्य को उचित समय की अवधि में पूरा कर सकेंगे। एक कैलेंडर समय पर, दिन के बाद, भविष्य की योजना बनाते समय भी रहने का एक शानदार तरीका है।

उस समय जब आप सबसे ज्यादा स्फूर्तिवान महसूस करते हैं, सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य करें

जिस समय आपका मन और शरीर सबसे ज्यादा तरोताजा महसूस करें, आपको अपने दिन का सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य उसी समय करना चाहिए। ऐसा करने से यह सुनिश्चित होगा कि आप उस चुनौतीपूर्ण कार्य को कुशलता पूर्वक पूरा करने के लिए अपनी समस्त ऊर्जा का उपयोग कर सकेंगें। साथ ही ऐसा करने से आप दिन के बाकी बचे हुए समय में अपने अन्य कार्यों को भी अच्छे से निपटा सकेंगे। हो, तो अपने सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य को संभालें।

उस एक बात को लिखें जिसके लिए आप बहुत आभारी महसूस करते हैं

क्या आपको कभी ऐसा लगा है कि आप अपने किसी मित्र के प्रति आभारी हैं अथवा आप अपने परिवार या अपने किसी शिक्षक के प्रति स्वयं को बहुत आभारी महसूस करते हैं। यदि हां ! तो, अपने दिन के समय से कुछ मिनटों का समय निकालकर किसी डायरी में यह जरूर लिखें कि आप अपने जीवन में किस व्यक्ति के प्रति आभार महसूस करते हैं। यह एक ऐसी आदत है जो आपको दीर्घकालिक सफलता और खुशी देने में आपकी मदद करेगी। यकीन मानिए बहुत से ऐसे लोग जिन्होंने जीवन में बहुत सफलता अर्जित की है और उन्होंने उन लोगों के प्रति अपना आभार जरूर व्यक्त किया है जिन्हें वह दिल से मानते हैं।

अपनी दिनचर्या का 5 मिनट का समय गहरी सांस लेने पर केंद्रित करें

तनाव के कारण ना सिर्फ आपके स्वभाव अपितु आपके अध्ययन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस तनाव को दूर करने का हमारे पास एक त्वरित समाधान है। "गहरी सांस" लेना । "गहरी सांस" लेने को वैज्ञानिक रूप से तनाव कम करने के लिए प्रभावी माना गया है। यहां तक कि कुछ अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि गहरी सांस लेने से व्यक्ति की इच्छा शक्ति और याददाश्त भी बढ़ती है ।इसी कारण आप भी अपने दिन के 5 मिनट निकालकर गहरी सांस लें। मेरा ऐसा मानना है कि यदि आप अपनी परीक्षा के पहले खुद के को तनाव से दूर करना चाहते हैं तो आप इस गहरी सांस लेने के व्यायाम को अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करें।

अपने पसंदीदा प्रेरणादायक उद्धरण (इंस्पिरेशनल कोटेशन) जरूर पढ़ें

प्रेरणादायक उद्धरण आपको अध्ययन करने के लिए प्रेरणा देते हैं। खास करके तब, जब आप अपनी किसी पसंदीदा प्रेरणादायक उद्धरण को पढ़ रहे हों। जिस प्रकार मेरी पसंदीदा उद्धरण है

देश, बिंदास, दीया, बच्चा और अलमारी समेत 800 हिंदी शब्द बढ़ाएंगे ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी की शान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फ़रवरी , हर साल की तरह इस साल भी हिंदी के कुछ शब्दों को ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी (Oxford Dictionary) ने अंग्रेजी के शब्दकोष में जगह दी है। इन शब्दों में देश, बिंदास, दीया, बच्चा और अलमारी समेत 800 नए शब्द हैं। जो अब ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी की शान बढ़ाएंगे। अपने नए संस्करण में ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी हिंदी के कुछ ऐसे प्रचलित शब्दों को शामिल करता है, जिसका इस्तेमाल देश में अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं को बोलने वाले लोग आमतौर पर करते हैं। मंगलवार को इस डिक्शनरी का नया एडिशन लॉन्च किया गया है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के मुताबिक, अब भारतीय अंग्रेजी ने इस डिक्शनरी में शामिल दुनियाभर में बोले जाने वाले Accent के अलग-अलग तरीकों की संख्या बढ़ाकर 16 कर दी है। इन शब्दों को डिक्शनरी में शामिल कर हिंदी और इंग्लिश के बीच के गैप को भरा है। बता दें कि भारत में करीब 13 करोड़ लोग इंग्लिश बोलते हैं, जिन्हें इसका फायदा होगा।

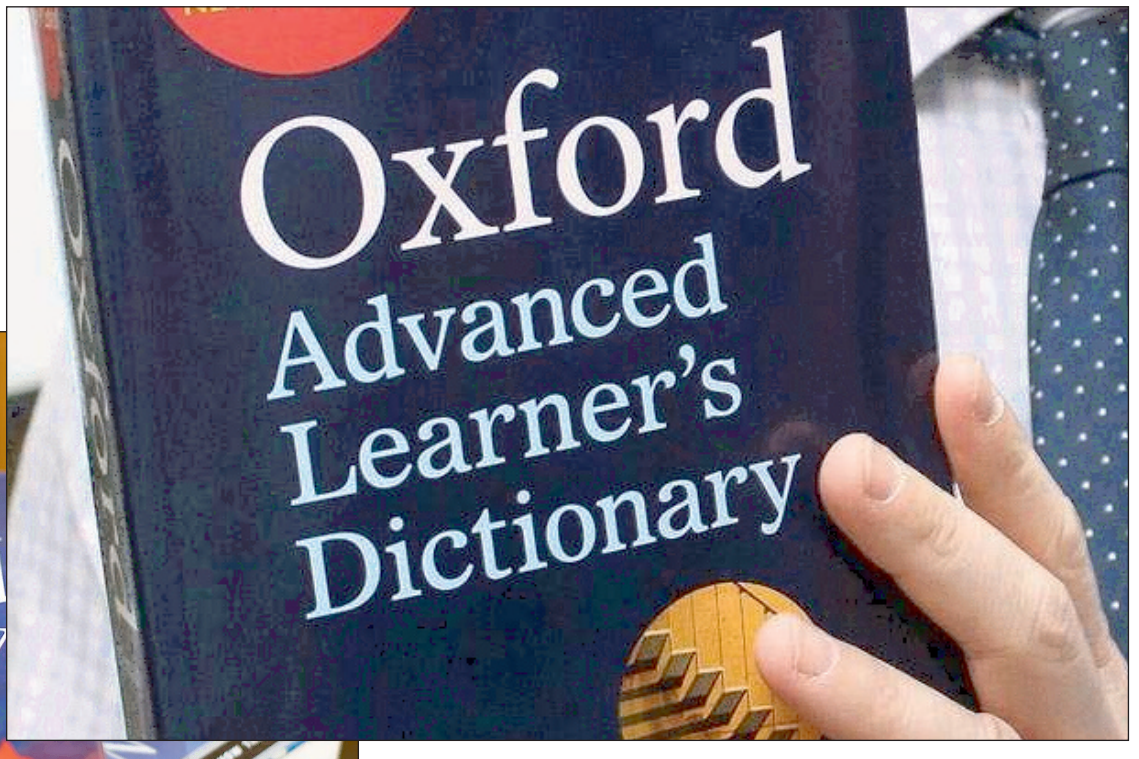

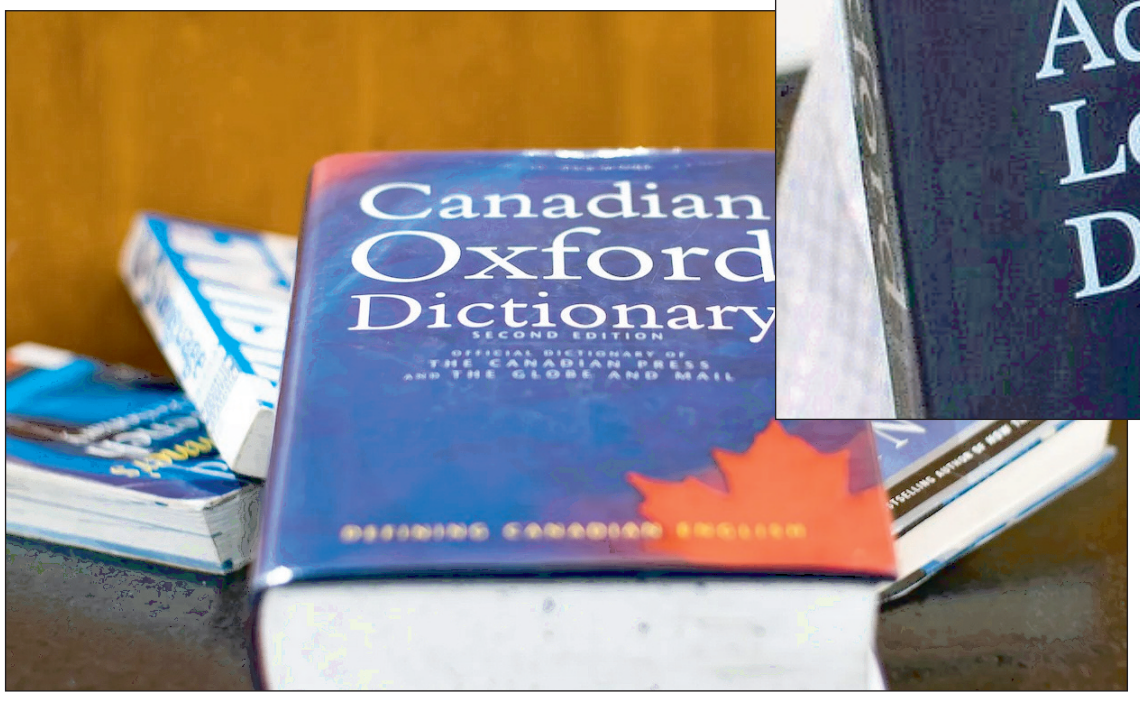

अब इंग्लिश और भी आसान होगी

ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी (OED) के प्रनंसीएशन एडिटर डॉ. कैथरीन सैंगेस्टर ने कहा कि 'जब से हमने ब्रिटिश और अमेरिकी इंग्लिश के प्रकार को आगे बढ़ाने के लिए उसमें ऑडियो शामिल करना शुरू किया है, इंडियन इंग्लिश हमारी सबसे बड़ी प्रॉयरिटी और सबसे बड़ी चुनौतियों में एक रही है।' उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि 'भाषा की कठिनाइयों से निपटने के लिए हमने एक 'ट्रांसक्रिप्शन मॉडल' डेवलप किया है। अब ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इंग्लिश के ज्यादा प्रकारों के लिए उच्चारण आसानी से उपलब्ध करा सकेंगे।।'

संपादकीय

वृद्धि एवं वित्तीय संयम में संतुलन

एक फरवरी को पेश हुआ बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का पांचवा बजट है तथा 2024 के आम चुनाव से पहले का अंतिम पूर्ण बजट है. ऐसा अनुमान था कि यह पूरी तरह से एक लोकलुभावन बजट होगा और वित्तीय घाटे की किसी सीमा की परवाह नहीं की जायेगी. अच्छी बात यह रही कि ऐसा नहीं हुआ. वित्तीय घाटे को अगले साल के अपेक्षित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का छह प्रतिशत रखने का लक्ष्य संयमित है, भले ही इसे अधिक रखा जा सकता था. कई कारणों से वित्तीय अनुशासन रखना बहुत आवश्यक है. जीडीपी और कर्ज का अनुपात पहले ही 90 प्रतिशत हो चुका है. अधिक घाटा होने से अधिक कर्ज की दरकार होती है, जिससे कर्ज का बोझ बढ़ता है. इस बोझ के बढ़ने के साथ कर्ज के ब्याज को चुकाने का दबाव भी बढ़ता है. अगले साल के लिए ब्याज का बोझ 10 लाख करोड़ रुपये का है, जो केंद्र के समूचे पूंजी व्यय के बराबर है. इसलिए पूंजी जुटाना बहुत जरूरी है. उच्च वित्तीय घाटा भविष्य की अजन्मी पीढ़ी के लिए दंड भी है. इसलिए वित्त मंत्री ने आगामी कुछ वर्षों में घाटे को धीरे-धीरे कम करने का वादा किया है. इसके लिए आर्थिक वृद्धि में गति लानी होगी, ताकि कर राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो. उस स्थिति में सरकार को उधार पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा. अत्यधिक वित्तीय विस्तार के बारे में सतर्क रहने का दूसरा कारण यह है कि यह मुद्रास्फीति के नियंत्रण में बाधक है. नगदी की आपूर्ति को संकुचित करने की मौद्रिक नीति के विरुद्ध यह सक्रिय होता है. इस संबंध में वित्तीय संयम और वृद्धि करने वाले वित्तीय विस्तार के माध्यम से इस संबंध में बजट ने अच्छा काम किया है. वृद्धि के लिए वित्त मुहैया कराने का सबसे बड़ा उदाहरण पूंजी व्यय योजना में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जो भविष्य में विकास का आधार है. यह 10 लाख करोड़ रुपये है और सभी खर्चों का एक-तिहाई हिस्सा है. कृषि क्षेत्र के लिए कर्ज आवंटन बढ़ कर 20 लाख करोड़ रुपये हो जायेगा, जो अब तक सर्वाधिक है. इससे उपज बढ़ाने, कृषि-प्रसंस्करण में मूल्य संवर्धन करने और कृषकों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी. साथ ही, 10 करोड़ किसान परिवारों को सीधे नगदी हस्तांतरण की योजना भी जारी रहेगी. इस कॉलम में पहले कहा जा चुका है कि बजट की एक बड़ी पृष्ठभूमि आय एवं संपत्ति की निरंतर बढ़ती विषमता है. ऐसे में सामाजिक सुरक्षा पर अधिक जोर देना अपेक्षित था, लेकिन ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एक तरह से बेरोजगारी बीमा, जो भारत में नहीं होता) में बड़ी कटौती निराशाजनक है. राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं शिक्षा मिशनों पर भी कम आवंटन हुआ है. शायद केंद्र सरकार का मानना है कि ये राज्यों के बजट के तहत आते हैं, इसलिए इन्हें राज्यों के जिम्मे दे दिया गया है. वित्त मंत्री ने सरल बैंक खातों, अनुदानित रसोई गैस सिलेंडर, शौचालय आदि के द्वारा वित्तीय समावेश से हुए प्रभावशाली उपलब्धियों को रेखांकित किया है. सस्ते आवास में उल्लेखनीय विस्तार भी इसी दिशा में है. परिसंपत्ति बनाने के लिए सार्वजनिक खर्च होना इसका अतिरिक्त पहलू है. इस भावना में पूंजी व्यय मद में, विशेषकर सड़क एवं रेल पर, वृद्धि स्वागतयोग्य है. यह बजट का एक-चौथाई हिस्सा है, जो अब तक का सर्वाधिक है. बजट में कृषि उधार के लिए आवंटन में बढ़ोतरी से भी पूंजी संरचना होगी.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

जारवा जनजाति में अंधविश्वास - गोरा बच्चा पैदा होते ही कर देते हैं कत्ल !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फरवरी , अंडमान में रहने वाली जारवा नाम की जनजाति उनके समुदाय में पैदा होने वाले गोरे बच्चों को मौत के घाट उतार देते हैं. आपको बता दें कि जारवा जनजाति को दुनिया की सबसे पुरानी जनजातियों में गिना जाता है.ज्यादातर मां-बाप चाहते हैं कि उनके बच्चे गोरे रंग के हों. बच्चों का रंग गोरा करने के लिए गर्भवती मां तरह-तरह के नुस्खे इस्तेमाल करती है लेकिन आपको बता दें कि भारत में एक ऐसा भी समुदाय है, जहां पर गोरे बच्चे पैदा करना पाप माना जाता है. अगर यहां पर कोई गोरा बच्चा पैदा होता है तो उसे मार दिया जाता है. भारत के केंद्र शासित प्रदेश अंडमान में एक 'जारवा' नाम की जनजाति निवास करती है. इस जनजाति को दुनिया की सबसे पुरानी जनजातियों में शामिल किया जाता है. 'जारवा जनजाति' में एक क्रूर प्रथा प्रचलित है, अगर यहां किसी के घर में गोरे रंग का बच्चा पैदा होता है उसे मार दिया जाता है. यहां गोरे बच्चे को किसी अभिशाप के समान समझा जाता है.

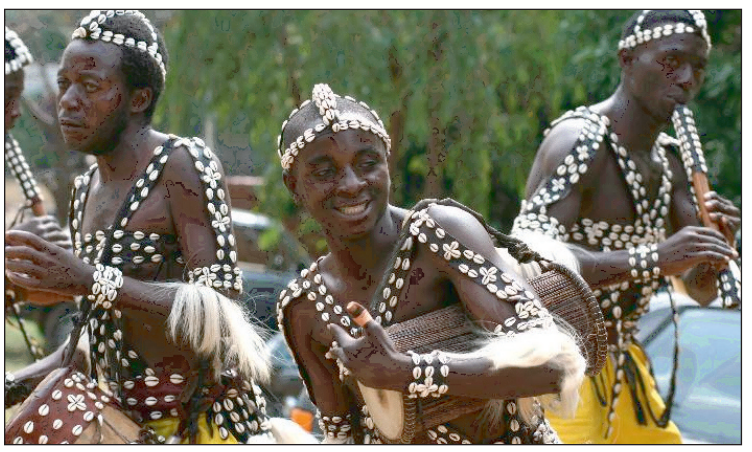

क्या है यह क्रूर परंपरा ?

जारवा जनजाति को अफ्रीका का मूल निवासी माना जाता है. जनजाति में ज्यादातर लोग डार्क स्किन यानी काले रंग के हैं. ऐसे में अगर कोई महिला गोरे बच्चे को जन्म देती है तो उसे मार दिया जाता है, क्योंकि इन्हें लगता है कि वह बच्चा किसी और जनजाति से ताल्लुक रखता है. जारवा आदिवासियों में एक और अनोखी परंपरा देखने को मिलती है कि यहां पैदा हुए बच्चे को पूरे कबीले की महिलाओं का दूध पिलाया जाता है. सभी महिलाओं के स्तनपान कराने को लेकर कहा जाता है कि इससे समुदाय की शुद्धता बनी रहती है. मीडिया रिपोर्ट की मानें तो यह जनजाति 90 के दशक में सामने आई लेकिन भारत सरकार ने इनकी तस्वीरों को खींचने या सोशल मीडिया पर अपलोड करने को लेकर सख्त कानून बनाए हैं. अगर कोई उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करते पाया जाता है तो उसे जेल जाना पड़ सकता है और उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है.

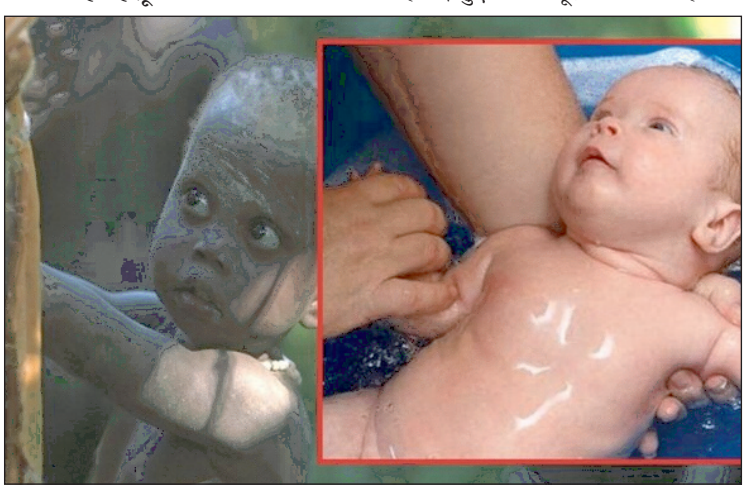

अंधविश्वास की जड़ें काफी हैं गहरी

जारवा जनजाति में अंधविश्वास की जड़ें काफी गहरी हैं. यहां के लोग मानते हैं कि अगर किसी गर्भवती महिला को जानवर का खून पिलाया जाए तो उनका बच्चा काले रंग का पैदा होगा. यहां काले रंग के बच्चे को ही समाज में रहने की मान्यता मिलती है. आपको बता दें कि जारवा जनजाति मुख्यधारा के समाज से आज भी बिल्कुल अलग बिना कपड़ों के जिंदगी बिता रहा है और इस आदिवासी जनजाति में ज्यादातर लोग मछली का शिकार कर अपना जीवन यापन करते हैं.

एक अप्रैल से भारत में बंद हो जायेंगी ये 17 कारें !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 फ़रवरी , देश में एक अप्रैल 2023 से गाड़ियों के लिए नए उत्सर्जन नियम (Emission Norms) लागू होने जा रहे हैं जिसकी वजह से - मौजूदा 17 पॉपुलर गाड़ियां बंद होने जा रही हैं। लिस्ट में छोटी कार से लेकर SUV भी शामिल हैं।देश में एक अप्रैल 2023 से गाड़ियों के लिए नए उत्सर्जन नियम (Emission Norms) लागू होने जा रहे हैं जिसकी वजह से - मौजूदा 17 पॉपुलर गाड़ियां बंद होने जा रही हैं। लिस्ट में छोटी कार से लेकर SUV भी शामिल हैं। इस नये नियम को RDE के नाम से जाना जाता है जिसे रियल टाइम ड्राइविंग एमिशन कहते हैं। इसे BS6 एमिशन नॉर्म्स का फेस 2 भी बताया जा रहा है।

इस नियम के आने की वजह से अब वाहन निर्माता कंपनियों को डीजल गाड़ियों को बंद करना पड़ेगा । डीजल ही नहीं पेट्रोल कारें भी बंद होंगी या उनमे कुछ बदलाव होंगे । यहां हम आपको उन 17 कारों की पूरी लिस्ट साझा कर रहे हैं जोकि अप्रैल 2023 से बंद हो जाएंगी।अभी तक भारत में वाहनों के उत्सर्जन स्तर को लैब में टेस्ट किया जाता था। लेकिन जब कार को रोड पर चलाया गया तो उसका उत्सर्जन लेवल बढ़ जाता है। अब ऐसे में सरकार ने फोर-व्हीलर पैसेंजर और कमर्शियल गाड़ियों का उत्सर्जन लेवल लगातार चेक करने का नियम बनाया है । इसके लिए वाहनों में डिवाइस लगाने होंगे।

एडवांस एमिशन नॉर्म्स पर खरा उतरने के लिए वाहनों में ऐसा डिवाइस लगाना होगा जो चलती गाड़ी के एमिशन लेवल पर नजर रख सके। अब अगर कार कंपनियां ऐसा करती भी हैं तो प्रोड्क्शन कॉस्ट में असर पड़ेगा और गाड़ियों की कीमतों में इजाफा होगा । ऐसे में कई कंपनियां अपनी कारों को बंद करने की सोच रही है।

17 कारें जो हो जायेंगी बंद

Maruti Suzuki Alto 800Hyundai i20 DieselHyundai Verna DieselTata Altroz DieselHonda City 4th GenHonda City 5th Gen DieselHonda Amaze DieselHonda JazzHonda WR-VMarazzoMahinda Alturas G4Mahindra KUV100Skoda OctaviaSkoda SuperbRenault Kwid 800Nissan KicksToyota Innova Crysta Petrol

राज्यपाल ने किया यूकॉस्ट के 7वें स्थापना दिवस समारोह के मौके पर रीजनल साइंस सेंटर देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 फ़रवरी। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने शुक्रवार को उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) के सातवें स्थापना दिवस समारोह के मौके पर रीजनल साइंस सेंटर देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान राज्यपाल ने साइंस सेंटर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्किल लैब का उद्घाटन किया व फ़रवरी दूसरे सप्ताह में आयोजित होने वाली ₹ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस₹ का अनावरण किया। राज्यपाल ने कार्यक्रम में यूकॉस्ट के वार्षिक कैलेंडर एवं वार्षिक रिपोर्ट का भी विमोचन किया। इस दौरान राज्यपाल ने रीजनल साइंस सेंटर का भ्रमण कर विस्तृत जानकारी ली।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह युग आधुनिक तकनीक के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। आज नई-नई तकनीकों के जरिए देश-दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि साइंस और टेक्नोलॉजी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं, विज्ञान ने हमारे दैनिक जीवन को बेहद सुगम और समृद्ध बना दिया है। राज्यपाल ने कहा कि देश को विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का रास्ता चुनना होगा। साइंस और टेक्नोलॉजी के हर क्षेत्र में भारत दुनिया के साथ कदम से कदम मिला कर आगे बढ़ रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि दुनिया के विभिन्न देश नवीनतम तकनीकों का प्रयोग कर आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन उन सब में भारत इस दिशा में और भी तेज़ रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को क़ायम रखने के लिए हमारे देश की सेना भी तेज़ी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ओर देख रहे हैं।

राज्यपाल ने यूकॉस्ट के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि हम सबके लिए खुशी की बात है कि प्रदेश में पहली एआई बेस्ट साइंस लर्निंग लैब की स्थापना हुई है, उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को आधुनिक तकनीकी, सोच-विचार और धारणा के साथ आगे बढना होगा।

राज्यपाल ने अगले सप्ताह आयोजित होने वाले ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस हेतु यूकॉस्ट को शुभकामना देते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि इस विज्ञान कांग्रेस में प्रदेश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से आए बाल वैज्ञानिक, शोधार्थी के बीच मंथन का जो अमृत निकलेगा वह उत्तराखंड को विज्ञान प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आगे बढ़ाने में कारगर सिद्ध होगा।

इस दौरान महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत ने राज्यपाल को परिषद के क्रियाकलापों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, इंटेल की सीनियर डायरेक्टर श्वेता खन्ना समेत विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्रद्धा पूर्वक मनाया गया गुरु हरिराय साहिब जी का प्रकाश पर्व

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 फ़रवरी। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार की ओर से सातवें गुरु श्री हरिराय साहिब जी का पावन प्रकाश पर्व कथा - कीर्तन के रूप में श्रद्धा एवं उत्साह पूर्वक मनाया गया। प्रातः नितनेम के बाद हजूरी रागी भाई चरणजीत सिंह ने आसा दी वार का शब्द नसि वंजहु किलविखहु करता घर आइआ का गायन किया।

इंद्रपाल सिंह ने श्री अखंड पाठ जी का भोग डाला, गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के हजूरी रागी जत्था भाई चरणजीत सिंह ने मनि चाउ भइआ प्रभ आगमु सुणिआ व हम घरि साजन आए शब्दों का गायन किया। भाई शमशेर सिंह ने सरबत के भले के लिए अरदास की, गुरबख्श सिंह राजन व गुलज़ार सिंह द्वारा संगतों को गुरु हरिराय साहिब जी के प्रकाश पर्व की बधाई दी गई। बावा परिवार को गुरुद्वारा की तरफ से सिरोपा भेंट किया गया, मंच का संचालन करते हुए दविंदर सिंह भसीन ने कहा कि पांच फरवरी सुबह सात से साढ़े 11:30 बजे तक शुकराना समागम सजाया जा रहा है।

जिसमें सभी अपने परिवारों समेत आकर के गुरु महाराज की खुशी प्राप्त कर सकते हैं। आई संगत को प्रबंधक कमेटी की और से बधाई दी, कार्यक्रम के पश्चात संगत ने गुरु का लंगर व प्रशाद ग्रहण किया। इस मौके पर अध्यक्ष गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा गुरबख्श सिंह राजन, गुलज़ार सिंह, जगमिंदर सिंह छाबड़ा, चरणजीत सिंह, सरदार देवेंद्र सिंह भसीन, अमरजीत सिंह, हरविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

टेलीमेडिसन योजना आम लोगों के लिए वरदान : धन सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 फ़रवरी। स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने उत्तराखंड की टेली मेडिसन सेवा को आम लोगों के लिए वरदान बताया। अभी तक नौ लाख से अधिक लोग इसका लाभ उठा चुके हैं। इस योजना में अब एम्स ऋषिकेश समेत प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेजों को भी जोड़ दिया गया है। इससे अब आम लोग मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा का लाभ भी उठा रहे हैं। उत्तराखंड प्रति लाख टेली कंसलटेशन देने के मामले में देश भर में दूसरे स्थान पर है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि योजना के तहत प्रदेश के दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को ई-संजीवनी के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा निःशुल्क परामर्श और उपचार दिया जा रहा है। टेलीमेडिसिन की सुगमता को देखते हुये अब एम्स ऋषिकेश समेत प्रदेश के चार सरकारी मेडिकल कॉलेजों दून, श्रीनगर, हल्द्वानी, अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज को भी जोड़ दिया गया है। ताकि आम लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाओं का भी लाभ मिल सके।

इन विशेषज्ञ डॉक्टरों में नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ, जनरल मेडिसिन, नेत्र रोग, न्यूरोलॉजी, बाल रोग, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, मानसिक रोग, हृदय रोग, त्वचा रोग विशेषज्ञ शामिल है। वर्ष 2020 से अब तक कुल नौ लाख से अधिक लोगों को टेली कन्सलटेशन दिया जा चुका है। वर्ष 2022 में रिकॉर्ड चार लाख से अधिक लोगों को टेली मेडिसिन सेवाएं दी गई।

राज्य में टेली कंसल्टेशन का औसत परामर्श समय दो मिनट है। औसत प्रतिक्षा समय आठ मिनट है। जो देश के अन्य राज्यों के मुकाबले बेहतर है। सोमवार से शनिवार तक सुबह नौ बजे से शाम बजे तक प्रदेश का कोई भी व्यक्ति ई-संजीवनी एप, वेलनेस सेन्टरों एवं टोल फ्री नम्बर 104 के माध्यम से इस सेवा का लाभ ले सकता है।